INDIAN SCHOOL MUSCAT PRIMARY SECTION		
Story No: 1 & 2	Name:	
Resource Person: Ms. Mohini Dhawan	STD: IV	Sec:

ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड में हिस्सा ले रहा था। दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वे दिखाई न दीं। "माँ, दादी जी कहाँ हैं ?" उसने पूछा। "रात को वह बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिता जी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वे अभी वहीं हैं उनकी हालत काफ़ी खराब है। "विक्की एकाएक उदास हो गया।

विक्की अपनी दादी से बहुत प्यार करता था। वह दादी को देखने अस्पताल गया। वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्रधानाचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र अनुपस्थित (absent) थे। सभी अनुपस्थित विद्यार्थियों की सूची उनकी मेज़ पर थी। उन्होंने सभी अनुपस्थित विद्यार्थियों के नाम पुकारे और उन्हें डाँटा। विक्की अपना नाम सूची में न देखकर प्रधानाचार्य के सामने खड़ा हो गया।

"महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था पर आपने मेरा नाम नहीं पुकारा " प्रधानाचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका क्रोध गायब हो गया। तुम सज़ा के हकदार नहीं क्योंकि तुम में सच कहने की हिम्मत है। "

" मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। " विक्की ने जो कुछ किया उसकी उसे बहुत खुशी थी।